पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

चित्र खबर की विश्वसनीयता को बढ़ाते हैं - राज्यपाल

प्रिन्ट मीडिया का पोशाक है फोटोग्राफी - श्री नाईक

लखनऊः 19 सितम्बर, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज ललित कला अकादमी अलीगंज में वरिष्ठ छायाकार श्री धीरज धवन की ग्रामीण परिवेश पर आधारित फोटो प्रदर्शनी 'शेड प्प्प्' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर भातखण्डे संगीत संस्थान सम विश्वविद्यालय की कुलपति श्रीमती श्रुति सडोलीकर काटकर, श्री अनिल रिसालदार, दूरदर्शन के पूर्व निदेशक श्री विलायत जाफरी, बेगम हामिदा हबीबुल्लाह सहित अन्य फोटो प्रेमीजन उपस्थित थे। प्रदर्शनी उद्घाटन में राज्यपाल के अनुरोध पर कश्मीर में शहीद हुए सैनिकों को दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

राज्यपाल ने प्रदर्शनी का अवलोकन करने के पश्चात् अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ''प्रदर्शनी में गाँव का परिवेश देखकर थोड़ी देर के लिए शहर भूल गया।'' कैमरे के माध्यम से ग्रामीण जीवन के विविध रंग पकड़ना मुश्किल काम है। छायाकार अपनी बात चित्र के माध्यम से दूर तक पहुँचाते हैं। प्रिन्ट मीडिया का पोशाक है फोटोग्राफी। कैमरे से निकाला गया चित्र भावों की अभिव्यक्ति करता है। जो बात एक हजार शब्दों में नहीं कह सकते, वह अकेला फोटो बोलता है। बचपन से वृद्धावस्था तक का सफर फोटो ही दिखा सकता था। उन्होंने कहा कि फोटोग्राफी दृष्टि को सुख और समाधान देने वाली कला है।

श्री नाईक ने कहा कि प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया में चित्र खबर की विश्वसनीयता को बढ़ाते हैं। प्रसार माध्यम में फोटो का बहुत महत्व है। व्यवसायिक रूप से उचित समय पर फोटो खींचना वास्तव में एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। कुछ माह पूर्व की एक घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सड़क के किनारे बैठे एक वृद्ध का टाइपराइटर पुलिस अधिकारी द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया था, मगर अखबार में फोटो सहित समाचार छपने के बाद उसे न्याय मिला और पुलिस अधिकारी को सजा भी दी गयी। उन्होंने कहा कि फोटोग्राफी प्रसार माध्यम की ताकत है।

कुलपति भातखण्डे श्रीमती श्रुती सडोलीकर ने कहा कि फोटोग्राफी एक भाषा है जिससे हम दूसरों तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने कहा कि कलाकार की अपनी दृष्टि होती है।

श्री अनिल रिसालदार ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि फोटोग्राफी का जीवन में विशेष स्थान है। एकल प्रदर्शनी से यह देखने को मिला कि असली भारत गाँव में बसता है। उन्होंने कहा कि लिपि के बाद फोटोग्राफी महत्वपूर्ण आविष्कार है।

अंजुम/ललित/राजभवन (341/33)

SHRI RAM NAIK JI
Hon'ble Governor, U.P.